प्रकाशन तिथि : 01 अप्रेल, 2024
प्रेषण तिथि : 04 अप्रेल, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 02 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

हमारे देवत्व का प्रकटीकरण है सहयोगी भाव: संघप्रमुख श्री

(काणेटी में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न)

आप सहयोगी हैं और पूज्य श्री तनसिंह जी ने लिखा है कि - 'सहयोगी जीवन के सपने मूर्त हुए रे स्वर्ग यही है।' सहयोग देवताओं का गुण है और हमारा सहयोगी भाव हमारे देवत्व का ही प्रकटीकरण है। कहा जाता है कि देवता स्वर्ग में निवास करते हैं लेकिन जहां सहयोग की भावना है, वास्तव में वहीं स्वर्ग है। जिस परिवार में सहयोग की भावना है वह परिवार अपने आप में स्वर्ग है। जिस समाज में सहयोग का भाव है वह समाज अपने आप में स्वर्ग का स्वरूप है। जिस संस्था में सहयोग की भावना है, वह स्वर्ग का मार्ग है। श्री क्षत्रिय युवक संघ में इस प्रकार का सहयोग मिलता है इसलिए यही स्वर्ग है। श्री क्षत्रिय युवक संघ इस सहयोग के भाव को पूरे समाज में स्थापित करना चाहता है। दूसरे शब्दों में यह भी कह सकते हैं कि संघ समाज में उस स्वर्ग को लाना चाहता है जिसकी कल्पना पूज्य तनसिंह जी ने उपरोक्त पंक्ति में की है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने अहमदाबाद जिले के काणेटी गांव में 23 से 25 मार्च तक आयोजित श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ को हम अनेक रूप में देख सकते हैं। जो व्यक्ति जिस रूप में संघ को देखेगा संघ उसे उसी रूप में दिखेगा। लेकिन वास्तव में श्री क्षत्रिय युवक संघ क्या है, इसे दूर बैठकर नहीं जाना जा सकता। इसके लिए हमें संघ के निकट आना पड़ेगा, उसे गंभीरता पूर्वक देखना पड़ेगा, उसके साथ में जीना पड़ेगा और इसीलिए मैं कहता हूं कि श्री क्षत्रिय युवक संघ अपने आप में एक जीवन दर्शन है।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

लोकसभा चुनावों के टिकट वितरण में समाज की फिर से उपेक्षा

(राजस्थान में दोनों मुख्य दलों से पांच राजपूत उम्मीदवार)

आगामी लोकसभा चुनावों के लिए टिकट वितरण में हमारे समाज का लगभग एकतरफा समर्थन प्राप्त करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने फिर से उपेक्षा पूर्ण व्यवहार किया है। गुजरात, हरियाणा, दिल्ली जैसे राज्यों में विगत चुनावों की भांति इस बार भी एक भी टिकट नहीं दिया है, वहीं झारखंड में भी विगत लोकसभा में जीतकर आये दो सांसदों का टिकट काट कर वहां भी शुन्य प्रतिनिधित्व की स्थिति कर दी है। राजपूत बहुल पश्चिमी उत्तरप्रदेश में मात्र एक टिकट दिया है, गाजियाबाद जैसी राजपूत बहुल सीट पर भी जनरल वी के सिंह का टिकट काटकर अन्य वर्ग का उम्मीदवार बनाया गया है। समाज की इस उपेक्षा को लेकर इस क्षेत्र के लोग आक्रोशित हैं लेकिन यह आक्रोश मतदान के दिन क्रियान्वित हो तब ही फलदायी बन पायेगा।

राजस्थान में दोनों मुख्य राजनीतिक दलों कांग्रेस एवं भाजपा द्वारा अब तक घोषित टिकट में राज्य में पांच राजपूत को उम्मीदवार बनाया गया है। भारतीय जनता पार्टी ने 25 में से तीन और कांग्रेस ने 25 में से दो सीट पर राजपूत को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने जोधपुर से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राजसमंद से महिमा कुमारी मेवाड और जयपुर ग्रामीण से राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने जयपुर शहर से राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास एवं जोधपुर से करणसिंह उचियारड़ा को उम्मीदवार बनाया है। बहुजन समाज पार्टी द्वारा भी जालौर-सिरोही लोकसभा सीट पर लाल सिंह धानपुर एवं नागौर से गजेन्द्र सिंह राठौड़ को उम्मीदवार बनाया गया है।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

माननीय संरक्षक श्री का फरीदाबाद प्रवास

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने 14 मार्च को फरीदाबाद स्थित श्री परमहंस आश्रम पहुंचकर वहां प्रवास कर रहे पूज्य अड़गड़ानंद जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त किया। महाराज जी एवं संरक्षक श्री ने विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की।

बाड़मेर में सर्वसमाज की सभा, रविंद्र सिंह ने की निर्दलीय लड़ने की घोषणा

बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम के निकट 26 मार्च को बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र के चुनावों पर चर्चा के लिए सर्वसमाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में विभिन्न समाजों के लोग शामिल हुए और दोनों राष्ट्रीय दलों द्वारा टिकट वितरण में क्षेत्रवासियों की भावनाओं की उपेक्षा करने पर आक्रोश जताया। सभी ने शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी के लोकसभा चुनाव लडने के विचार का समर्थन किया और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस पर रविंद्र सिंह भाटी ने बैठक को संबोधित करते हुए सभी की सहमति से

निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की और 4 अप्रैल को नामांकन दाखिल करने का निर्णय लिया। बैठक के बाद रविंद्र सिंह ने आश्रम जाकर वहां उपस्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर से भेंट की एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

आज की विकृत राजनीति में राजनीतिक दलों को आंख दिखाना आवश्यक

(आगामी लोकसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में ईडब्ल्यूएस सरलीकरण, इतिहास विकृतिकरण, घटते राजनीतिक प्रतिनिधित्व आदि विषयों पर श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी का वक्तव्य)

विगत पांच सालों से राजपूत समाज अनेक आंदोलनों से गुजर रहा है। उनमें प्रमुख है ईडब्ल्यूएस का सरलीकरण। कई वर्षों के संघर्ष के बाद ईडब्ल्यूएस का आरक्षण मिला 20 जनवरी 2019 को। लेकिन जो आरक्षण के लिए समिति बनी थी, जिसने उसके सारे नियम बनाए, उसमें उन्होंने अनावश्यक शर्तें डाल दी जिसके कारण जो आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है वह भी केंद्रीय सेवाओं और राज्य सेवाओं में भी पात्र नहीं हो सकता था। ये शर्तें अव्यावहारिक थी जैसे 5 एकड़ भूमि से ज्यादा न हो, जबकि राजस्थान में 5 एकड़ भूमि से कुछ भी उत्पादन नहीं होता। इन शर्तों के कारण हालत ये हो गई कि केंद्रीय सरकार की जो नौकरियां हैं उनमें 10 प्रतिशत अवसर और कम हो गया क्योंकि सामान्य वर्ग का अभ्यर्थी उसमें तो जा ही नहीं सकता। इन शर्तों को दूर करने के लिए वापिस आंदोलन हुआ और उसके फलस्वरूप राजस्थान सरकार ने अक्टूबर 2019 में हमारी मांग स्वीकार करके केवल एक शर्त रखी कि सालाना आय 800000 से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। वह आय चाहे जमीन से हो, व्यापार से हो, नौकरी से हो या अन्य किसी स्त्रोत से। यह एक व्यवहारिक शर्त है लेकिन भूमि की, मकान की और आय की सभी शर्तें लागू होने से केंद्रीय सरकार की सेवा में अभी भी राजपूत आवेदन नहीं कर पाते। राज्य में जिसका ईडब्ल्यूएस बन रहा है वह भी केंद्र में पात्र नहीं होता। यह जो विसंगति है, उससे लड़ने के लिए बराबर संघर्ष चल रहा है। जब से ये आरक्षण लागू हुआ और राजस्थान और गुजरात से आय के अतिरिक्त अन्य शर्तें हटाई गई तभी से केंद्र सरकार में भी इनको हटाया जाए इसके लिए आंदोलन चल रहा था। हमने उस समय सामूहिक रूप से राजस्थान के तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया को हमारी तरफ से ज्ञापन दिया गया ताकि वे उसे प्रधानमंत्री तक पहुंचाएं और इन शर्तों को हटवाएं। जिनसे भी हमने सहयोग मांगा उन्होंने यह आश्वासन जरूर दिया कि यह बिल्कुल सही बात है और हम आपका सहयोग करेंगे, लेकिन अभी तक हुआ कुछ भी नहीं है। जनप्रतिनिधियों से पत्र लिखवाए गए कि ईडब्ल्यूएस का सरलीकरण किया जाना चाहिए, वे सब पत्र 20 जुलाई 2021 को केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिकता मंत्री वीरेंद्र कुमार को हमारे प्रतिनिधिमंडल ने गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ जाकर सौंपे और उनको यह निवेदन किया कि यह शर्तें जल्दी से जल्दी हटनी चाहिए और केवल रुपए 8,00,000 आय वाली शर्त रहनी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि हम प्रधानमंत्री जी तक यह बात पहुंचाएंगे और यह प्रयास करेंगे कि ये शर्तें हटें लेकिन अभी तक कुछ भी नहीं हुआ है। हमने सभी तरह के प्रयास किए हैं। मंत्रियों से बात करके, विधायकों व सांसदों से बात करके प्रयास किया कि किसी तरह से बात ऊपर तक पहुंचाएं लेकिन अभी तक वहां बात पहुंची है तो भी उसका कोई निर्णय नहीं हुआ। केवल एक गजेंद्र सिंह शेखावत ने यह जरूर हमें बताया कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री तक यह बात पहुंचा दी गई है लेकिन वहां से भी किसी भी प्रकार का कोई भी अनुकूल डिसीजन अभी तक नहीं हुआ है। मई 2023 में पुनः तहसील, उपखंड, जिला कलेक्टर कार्यालय जैसे 200 स्थान पर प्रधानमंत्री के नाम पत्र लिखकर प्रस्तुत किए गए कि आप प्रधानमंत्री तक यह बात पहुंचाइये। उस समय ईडब्ल्यूएस आरक्षण को 10 से 14 प्रतिशत किया जाए, यह भी साथ में निवेदन किया गया है लेकिन अभी तक उसका भी कोई जवाब नहीं आया है। जून 2023 में भाजपा संगठन के जितने पदाधिकारी हैं उन सबको ज्ञापन दिए गए, उनसे सहमति पत्र लिए गए और इस प्रकार के 550 सहमति पत्र एक साथ इकट्ठे करके हमने भिजवाए, लेकिन उसका भी कोई जवाब नहीं आया। 5 जुलाई को राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी को यह सभी पत्र सौंपे गए थे और फिर उसकी सूची बनाकर उस समय के प्रतिपक्ष के नेता और अन्य कई वरिष्ठ नेताओं जैसे अर्जुन राम मेघवाल, वसुंधरा राजे तक भी पहुंचाई गई लेकिन किसी की तरफ से कोई सहयोग प्राप्त हुआ हो ऐसा नहीं लगा। 21 जुलाई को दिल्ली में राजस्थान से भाजपा के जो सांसद हैं उन सबको भी और कुछ दूसरे राज्यों के सांसदों को भी यह बात कही गई और उन्होंने भी आश्वासन दिया कि हम सहयोग करेंगे लेकिन किसी प्रकार का कोई सहयोग नजर नहीं आया। 28 जनवरी को दिल्ली में पूज्य श्री तनसिंह जी का जन्म शताब्दी समारोह मनाया उसमें भी सरकार के लिए बात रखी गई कि हमारे साथ ऐसा बीत रहा है लेकिन उसका भी उन्होंने कोई संज्ञान लिया हो, ऐसा नजर नहीं आया। 31 जनवरी को राजस्थान के मुख्यमंत्री संघशक्ति कार्यालय में आए तो उनको भी यह निवेदन किया गया कि पिछली राज्य सरकार ने जो सरलीकरण किया वैसा का वैसा सरलीकरण केंद्र में होना चाहिए, इस बात को उनकी सरकार मानती है या नहीं तो उन्होंने कहा कि आपकी मांग तो सही है। तब उनसे निवेदन किया गया कि आपके माध्यम से राज्य सरकार द्वारा भी इस बारे में लिखित में केंद्र सरकार से निवेदन किया जाना चाहिए और उन्होंने कहा था कि वे ऐसा करवाएंगे लेकिन अभी तक कुछ भी नहीं हुआ। 8 फरवरी को जितने भी भाजपा के जिला कार्यालय हैं उन सभी पर धरना दिया गया और फिर उनको ज्ञापन सौंपा गया कि इसे प्रधानमंत्री तक पहुंचाइये लेकिन कुछ पता नहीं कि उन्होंने पहुंचाया या नहीं पहुंचा और यदि प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचा भी है तो वहां से कुछ निर्णय हुआ हो ऐसा कुछ पता नहीं चला। 9 फरवरी को राजपूत विधायक जो भी राजस्थान में जीत कर आए हैं उन सब को संघशक्ति कार्यालय में बुलाया गया था और उनसे भी यही सब बातें कही गई थी कि समाज की कैसी स्थिति हो रही है, कितनी उपेक्षा हो रही है। समाज की टिकट वितरण में भी उपेक्षा हो रही है इसके लिए आप सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए या नहीं करना चाहिए? उन सबकी सहमति थी कि क्योंकि यह सामाजिक बात है, समाज का नुकसान हो रहा है इसलिए हम भी सहयोग करेंगे लेकिन उनके सहयोग के कारण से भी कुछ बन पाया हो ऐसा लगा नहीं। 2019 से लगातार इस तरह के प्रयास चल रहे हैं और बात सभी यही कहते हैं कि आपकी मांग बिल्कुल सही है और सहयोग करेंगे लेकिन हुआ अभी तक कुछ भी नहीं है। ऐसा क्यों होता है, इस पर विचार करना जरूरी है। जो नेता चुनाव में आपके पास आते हैं उनसे आप पूछिए कि आप हमसे वोट मांगने आए हैं लेकिन आप हमारी बात क्यों नहीं सुनते हैं, हमारी बात पर कोई एक्शन क्यों नहीं लेते, हमारी मांगे हैं उनको पूरी क्यों नहीं करते? उनसे पूछें ताकि उनको पता चले कि हम केवल वोट देने के लिए ही नहीं बने हैं बल्कि वोट के बदले में जो हमारे साथ अन्याय हो रहा है उसको दूर करने के लिए भी हम आपसे उम्मीद करते हैं। इसके अलावा इतिहास विकृतिकरण की भी बात चल रही है। जगह-जगह हमारे इतिहास को बिगाड़ा जा रहा है, हमारे महापुरुषों को दूसरे लोग अपने मां-बाप बता रहे हैं। इस तरह की जो बातें हो रही है उसके विरुद्ध जगह-जगह आंदोलन भी चल रहे हैं लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि सरकारें इन पर भी कोई अनुकूल निर्णय नहीं ले रही हैं। इस प्रकार का आंदोलन हरियाणा में कैथल में चल रहा था और कैथल के सांसद को ही हरियाणा का मुख्यमंत्री बना दिया गया। इससे यही सिद्ध होता है कि जो ऐसा कर रहे हैं उनको इसमें सरकार का समर्थन है। अगर ऐसा है तो हम क्यों नहीं पूछे उनसे कि हमारा इतिहास क्यों बिगाड़ रहे हो? इसी प्रकार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी यही हालत हो रही है। वहां भी इतिहास बिगाड़ने के विरुद्ध जब आंदोलन किया जाता है तो उन आंदोलनकारियों के खिलाफ ही कार्रवाई होती हैं, उनकी बात सुनने को कोई तैयार नहीं है। इसीलिए जहां कहीं भी राजनेता वोट मांगने के लिए आएं, उनसे यह पूछा जाना चाहिए कि यह गलत काम क्यों कर रहे हो और हमारा जो ईडब्ल्यूएस का सरलीकरण होना चाहिए वह क्यों नहीं हो रहा है? आखिर हर जगह हमारी उपेक्षा क्यों हो रही है? टिकट वितरण में देख लीजिए विधानसभा के समय भी और अब लोकसभा के समय भी। यह क्यों होता है, यह जरा सोचना चाहिए, विचार करना चाहिए। श्री प्रताप फाउंडेशन जब से बना तब से लगातार समाज में इस बात को फैलाने की कोशिश कर रहा है कि हमारे वोट की कीमत होनी चाहिए और वह कीमत तब मिलेगी जब हम वोट की कीमत लेना सीख जाएंगे। हमारी चारित्रिक विशेषता होती थी, जो आज भी है, वह यह थी कि हमने किसी को कह दिया हम तुम्हारे हैं तो फिर तुम्हारे ही रहेंगे, हम धोखा नहीं देंगे। इसलिए हमने किसी दल को कह दिया है कि हम तुम्हारे हैं तो फिर वह आपकी कोई परवाह नहीं करेगा, वह आपकी उपेक्षा ही करेगा। इसलिए आज की जो विकृत राजनीति है उसमें तो आंख दिखाने वाले की ही पूछ होती है। हमारी बात नहीं मानते हो तो फिर चुनाव में देख लेंगे, इस तरह का हमको भी एटीट्यूड अपनाना पड़ेगा। ऐसा नहीं करेंगे तो हमारी हमेशा उपेक्षा होती रहेगी। इसलिए जब कभी भी आपके पास कोई वोट मांगने आए चाहे छोटा नेता हो चाहे बड़ा नेता हो, तो उनसे पूछिए कि हमारी बात क्यों नहीं मानी जा रही है, हमारा निवेदन जो बार-बार सरकार को कर रहे हैं वह क्यों नहीं सुना जा रहा है और कौन है जो अब अपने घोषणा पत्र में वादा करता है कि हमारी इस मांग को पूरा करेंगे, हमारे ईडब्ल्यूएस का सरलीकरण करेंगे और हमारे इतिहास का विकृतिकरण नहीं होने देंगे। यह हम जब तक नहीं पूछेंगे तब तक लोग यह मानकर कि ये तो अपने ही हैं, ये कहां जाएंगे, हमारी उपेक्षा करते रहेंगे। इसलिए अगर हमको हमारी बातें मनवानी है तो हमको थोड़ा कड़क होना पड़ेगा, उनको आंखे दिखानी पड़ेगी। जो आंख दिखाते हैं उनकी बात सुनी जाती है, बाकी लोगों की बात सुनी नहीं जाती है, यह आज की विकृत राजनीति है। इसलिए हमारी जो चारित्रिक विशेषता है वह भी दोष बन गई। आज के लिए इस चारित्रिक विशेषता को छोड़कर हमको आंख दिखाने के लिए तैयार रहना चाहिए, अगर कोई पार्टी हमारा न्याय पूर्वक काम नहीं करती है। न्यायपूर्वक काम करती है तो किसी को कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए आपके पास जो भी वोट मांगने आए उससे यह प्रश्न जरूर करें कि आपको वोट क्यों दिया जाना चाहिए।

जयपुर में दो दिवसीय राजपूत बिजनेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन

क्षत्रिय धर्म संसद एवं राजपूत बिजनेस फॉर्म के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राजपूत बिजनेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन जयपुर में अजमेर रोड स्थित द पैलेस बाय पार्क ज्वेल्स में 16-17 मार्च को आयोजित हुआ। पूर्व मंत्री धर्मेंद्र सिंह जाडेजा द्वारा सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इसके बाद श्री नैना बा महेंद्र सिंह जाडेजा राजपूत छात्रावास सुरेंद्रनगर की बालिकाओं द्वारा राजपूती संस्कृति के प्रतीक के रूप में तलवार रास का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के पहले सत्र में 'रक्षा और एयरोस्पेस बाजार की अद्यतन स्थिति' विषय पर चर्चा की गई। सेवानिवृत लेफ्टिनेंट कर्नल रूद्र सिंह जाडेजा ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा मेक इन इंडिया के रूप में जो अभियान चलाया जा रहा है, उससे इस क्षेत्र में तीव्र प्रगति के अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं, जिनका हमें उपयोग करना चाहिए। इसी प्रकार सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में जीएसटी, वित्त प्रबंधन, कार्मिक प्रबंधन, निवेश आदि विषयों पर चर्चा हुई और समाज के अनेकों उद्योगपतियों ने अपनी कंपनियों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में उदय माहूरकर, डॉ जयेंद्र सिंह जाडेजा, मेघराज सिंह, देवेंद्र सिंह झाला, मूल सिंह देवड़ा, महावीर सिंह चूड़ासमा, सम्मेलन के संयोजक विनोद सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अखिल गुजरात राजपूत युवा संघ के दिग्विजय सिंह झाला ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान राजपूत बिजनेस कॉन्फ्रेंस की डायरेक्टरी का विमोचन भी किया गया। राजपूत इतिहास गैलरी और राजपूत बिजनेस एक्सपो का भी उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान किया गया।

जाखली (मकराना) में राजपूत कर्मचारी स्नेहमिलन का आयोजन

मकराना तहसील के जाखली गांव में स्थित माताजी मंदिर में राजपूत सरकारी कर्मचारियों का होली स्नेहमिलन 15 मार्च को आयोजित हुआ। मकराना क्षेत्र में विभिन्न विभागों में कार्यरत राजपूत कर्मचारी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सभी ने एक दूसरे का परिचय प्राप्त किया। रविराज सिंह राठौड़ (एसीबीईओ मकराना) ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा आपसी परिचय और संपर्क मजबूत होगा तो हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में भी सहयोग मिलेगा और समाज के लिए भी हमारी उपयोगिता बढ़ेगी। पूर्व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संग्राम सिंह गिंगालिया ने कहा कि वर्तमान युग में संगठन में ही शक्ति है, इसलिए हमें समाज में पारिवारिक भाव का निर्माण करना होगा। उन्होंने धर्म, इतिहास एवं संस्कृति की जानकारी और चरित्र निर्माण हेतु श्री क्षत्रिय युवक संघ से जुड़ने और उसकी विचारधारा को आत्मसात करने की बात कही। बैठक के दौरान सभी को ईडब्ल्यूएस आरक्षण के सरलीकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी जानकारी दी गई। नरेंद्र सिंह नगवाड़ा ने समाज की तात्कालिक समस्याओं के समाधान हेतु संगठित प्रयासों की आवश्यकता जताई। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह जाखली ने पराश्रित न होकर आत्मविश्वास के साथ स्वावलंबी बनने की बात कही।भगवान सिंह रामपुरा, हुकम सिंह आसरवा, उच्छब कँवर शेखावत, शिम्भू सिंह गोड़, महावीर सिंह जाखली, सज्जन सिंह जाखली, रवीन्द्र सिंह जाखली ने भी अपने विचार रखे। संघ के स्वयंसेवक शिवराज सिंह आसरवा व अन्य सहयोगी कार्यक्रम में शामिल रहे।

राजनीतिक उपेक्षा के विरोध में क्षत्रिय स्वाभिमान यात्रा का आयोजन

लोकसभा चुनावों में उत्तरप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी द्वारा टिकट वितरण में राजपूत समाज की उपेक्षा, इतिहास विकृतिकरण और महापुरुषों के अपमान के विरोध में पश्चिमी उत्तरप्रदेश में क्षत्रिय स्वाभिमान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। किसान मजदूर एकता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह के नेतृत्व में पश्चिमी उत्तरप्रदेश की कैराना, सहारनपुर और मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र के राजपूत गांवों में पहुंचकर यह यात्रा राजनीतिक उपेक्षा के प्रति समाज को जागृत कर रही है। सभी स्थानों पर समाजबंधुओं द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। 16 मार्च को मां शाकुंभरी देवी स्थल से प्रारंभ हुई यह यात्रा 7 अप्रैल को नानोता पहुंचेगी जहां विशाल क्षत्रिय महाकुंभ का आयोजन होगा जिसमें लोकसभा चुनावों में समाज की भूमिका के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

महाराजा प्रवीर चंद्र भंजदेव की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के लाखों आदिवासियों के जननायक स्वर्गीय महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव की पुण्यतिथि पर कृतज्ञ बस्तर वासियों की ओर से जगदलपुर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें स्मरण किया गया। महाराजा प्रवीर बस्तर विकास वाहिनी (प्रवीर सेना) द्वारा 25 मार्च को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में महाराजा प्रवीर चंद्र के वंशज कमलचन्द्र भंजदेव ने उनके जीवन, सिद्धांत व योगदान को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि उनका जीवन युगों-युगों तक हम सबका पथ-प्रदर्शन करता रहेगा। उन्होंने अपनी प्रजा के हित में अपना बलिदान दिया और क्षत्रिय धर्म का पालन किया। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना होगा। कार्यक्रम में बस्तर क्षेत्र के अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मोयावासा में वागड़ क्षत्रिय महासभा की बैठक संपन्न

बांसवाड़ा जिले के मोयावासा में वागड़ क्षत्रिय महासभा देवदा चौखरा की बैठक 12 मार्च को आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए राजपरिवार के पूर्व सदस्य जगमाल सिंह ने कहा कि यदि समाज को विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है तो गांवों के स्तर पर धरातल पर काम करना होगा। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में आगे रहने का आह्वान किया। महासभा के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह देवदा ने कहा कि डांगपाड़ा राजपूत छात्रावास का निर्माण सभी समाजबंधुओ के सहयोग से किया गया है और छात्रावास के सफल संचालन में भी सभी के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है। जयगिरिराज सिंह चौहान ने कहा कि समाज के युवाओं में संस्कार निर्माण का कार्य अत्यंत आवश्यक है और श्री क्षत्रिय युवक संघ इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। हम सभी को इसमें सहयोगी बनना चाहिए। बहादुर सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। धर्मेंद्र सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

खानपुर में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक आयोजित

उत्तरप्रदेश के चोला क्षेत्र के खानपुर गांव में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक 12 मार्च को आयोजित हुई। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जयगोविंद सिंह ने बैठक में कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में समाज हित को देखते हुए मतदान किया जाना चाहिए। जो भी राजनीतिक दल क्षत्रिय समाज के मान-सम्मान की सुरक्षा करेगा और समाज की न्यायोचित मांगो का समर्थन करेगा, उसी को समाज का समर्थन प्राप्त होगा। बैठक में संस्थान के महासचिव प्रेमपाल सोलंकी, जिला अध्यक्ष फूल सिंह सोलंकी एवं कार्यकारिणी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

राजनीति का व्यापार और समाज सापेक्ष राजनीति

व्यापार शब्द का अर्थ लेन-देन होता है। ऐसा लेन-देन जिसमें विशुद्ध रूप से लेने और देने वाले के व्यक्तिगत हित हों, तो वह व्यापार कहलाता है लेकिन अनेक बार सामान्य क्रियाकलापों को भी व्यापार कहकर संबोधित कर दिया जाता है। लेकिन इस आलेख में उल्लेखित व्यापार शब्द का अर्थ विशुद्ध व्यापार ही है, ऐसा लेन-देन जिसमें केवल और केवल लेने और देने वाले का व्यक्तिगत हित निहित हो और आज की राजनीति शासन संचालन की नीति न रहकर वास्तव में एक व्यापार बन कर ही रह गई है जिसमें अधिकाधिक लाभ कमा लेना ही उद्देश्य होता है। शीर्षक के अगले भाग में समाज सापेक्षता की बात है, अर्थात ऐसी राजनीति जिसके केन्द्र में समाज की आकांक्षाएं और अरमान हों, व्यक्तिगत हितों पर जहां समाज के हित प्राथमिकता पा जायें। इस समाज सापेक्ष राजनीति में अपने व्यक्तिगत हानि-लाभ नहीं बल्कि समाज के व्यापक हानि-लाभ को दृष्टिगत रखकर व्यवहार किया जाता है। अब हम अपने आपको उपरोक्त दोनों दृष्टिकोणों से तौलना शुरू करें, अपने क्रियाकलापों का समीक्षात्मक अवलोकन करें, अपने समर्थन और विरोध का मूल्यांकन करें, जिनके समर्थन या विरोध के लिए हम खूंटे तोड़ते हैं उनके व्यवहार का मूल्यांकन करें और फिर तय करें कि हमारा व उनका व्यवहार कितना समाज सापेक्ष है और कितना व्यापार है? वस्तुनिष्ठता से अवलोकन करेंगे तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि जहां राजनेताओं ने हमारे समर्थन को अपने व्यक्तिगत हितों के लिए उपयोग करके समाज हित की उपेक्षा की और राजनीति के व्यापार में सामाजिक आकांक्षाओं का सौदा बेहिचक कर लिया, वहीं हमने भी हमारा समर्थन समाज सापेक्ष न रखकर व्यक्ति सापेक्ष बना दिया, राजनीतिक व्यक्ति को ही सामाजिक आकांक्षाओं का प्रतिनिधि मान लिया और इसी कारण उन आकांक्षाओं का सौदा करने की ताकत और छूट हमने ही उस राजनेता को दे दी। इसी का परिणाम है कि पिछले दिनों हुए राजनीतिक घटनाक्रमों से अनेक लोग व्यथित हैं, आक्रोशित भी हैं क्योंकि जिन राजनेताओं को वे समाज के नेता मान रहे थे वे राजनीतिक पार्टियों के आगे नतमस्तक हो गये। यह सिलसिला रुक गया हो ऐसा भी नहीं है, हो सकता है कि आज हम जिनको सिर पर उठा कर चल रहे हैं वे भी राजनीति के व्यापार में हमारी समाज सापेक्षता का सौदा कर लेवें या कर रहे हों और हम निराशा के भंवर में उनको और स्वयं को कोसते रहें। लेकिन इसमें उनका भी क्या दोष है, वे तो प्रारंभ से ही राजनीति के व्यापारी हैं, क्योंकि आज की राजनीति है भी विशुद्ध व्यापार जिसमें व्यक्तिगत हित अहित को साधने वाले व्यापारी व्यापार करते हैं और हम कभी समाज के नाम पर, कभी धर्म के नाम पर, कभी राष्ट्र के नाम पर हमारी भावनाओं को उनके व्यापार का साधन बना कर स्वयं को ठगा हुआ महसूस करते हैं और दोषी हमें ठगने वाले को बताते हैं। यह नहीं मानते कि किसी ठग के हाथों ठगा जाना भी एक बड़ा दोष है और अपने आपको ठगने के लिए प्रस्तुत करने वाला भी उतना ही बड़ा दोषी है जितना उसे ठगने वाला। लेकिन विडंबना यह है कि हम हर बार ठगे जाते हैं, बहुत ही शिद्दत के साथ ठगे जाते हैं और हर बार रोना रोकर रह जाते हैं।

ऐसे में उपाय क्या हैं, तो इसका एक मात्र उपाय है समाज सापेक्षता। विचार करें कि जब हम किसी राजनेता के पीछे लामबंद होते हैं तब क्या उसको यह एहसास दिला पाते हैं कि हम उसके पीछे नहीं बल्कि समाज की आकांक्षाओं के पीछे लामबंद हुए हैं? जिन व्यक्तियों अथवा दलों के विरुद्ध जाकर हमने समाज के प्रतिनिधि के रूप में उस राजनेता का समर्थन किया या उसे विजयी बनाया, उन्हीं व्यक्तियों या दलों के साथ जाकर यदि वह खड़ा हो जाए तो क्या हमारे पास कोई उपाय रहता है जिससे कि हम उसे यह जता सके कि उसका यह कृत्य समाज विरोधी है और ऐसा करने पर समाज का साथ उसे नहीं मिलेगा। हमारे पास ऐसा कोई भी उपाय शेष नहीं रहता क्योंकि हमने समाज की अपेक्षा उस व्यक्ति के साथ अपनी भावनाओं को जोड़ लिया था और इसीलिए वह व्यक्ति उन भावनाओं का अपने व्यक्तिगत राजनीतिक हितों के लिए उपयोग कर लेता है और हमारे पास निराश होने के अलावा कोई उपाय नहीं बचता। लेकिन यदि हमने व्यक्ति को अपना नेता न मानकर सामाजिक और सामूहिक शक्ति के निदेर्शों पर चलकर उस राजनेता का समर्थन किया होता तो वही सामाजिक और सामूहिक शक्ति उस राजनेता को सामाजिक आकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी बनाने में भी प्रयुक्त हो सकती थी और समाज विरोधी शक्तियों के साथ खड़े होने पर उसका विकल्प भी तैयार कर सकती थी। ऐसी सामाजिक और सामूहिक शक्ति के माध्यम से राजनेताओं और राजनीतिक दलों का समर्थन या विरोध ही सही और व्यावहारिक समाज सापेक्ष राजनीति है। हम आज हमारे समाज की राजनीतिक स्थिति से चिंतित हैं, समाज के घटते राजनीतिक प्रतिनिधित्व से आक्रोशित हैं, शासन प्रशासन में होने वाली हमारी अवहेलना से व्यथित हैं, हमारे साथ होने वाले अन्याय से पीड़ित हैं लेकिन हमारी इस चिंता, आक्रोश, व्यथा और पीड़ा का निराकरण हम राजनीति का व्यापार करने वाले राजनेताओं में ढूंढते हैं और इस प्रकार हम हमारी समाज विषयक चिंताओं के बावजूद समाज सापेक्ष होने की अपेक्षा व्यक्ति सापेक्ष हो जाते हैं। हम किसी व्यक्ति में कौम के प्रति हमारे अरमानों का ठिकाना ढूंढने लगते हैं और एक दिन देखते हैं कि राजनीति का उक्त व्यापारी हमारी समाज विषयक भावनाओं का व्यापार कर चला जाता है और हमारे अरमान धरे रह जाते हैं। हम ईमानदारी एवं सजगता से विगत 70 वर्षों का हमारे समाज का राजनीतिक इतिहास देखेंगे तो बार बार उपरोक्त बात पुष्ट हो जाएगी। इसलिए हम हमारी चिंता, आक्रोश, व्यथा और पीड़ा को समाज की संपत्ति बनायें और उसका उपयोग समाज सापेक्ष करना सीख जायें। समाज के दीर्घकालीन हित अहित की समझ पैदा करें और हमारे में ऐसी समझ नहीं है तो समाज में ऐसे लोगों को ढूंढना प्रारंभ करें जिनका आराध्य समाज है और जो निस्वार्थ भाव से केवल समाज की आराधना के भाव से समाज में काम कर रहे हैं। अपनी समझ को ऐसे लोगों की अनुयायी बनाना प्रारंभ करें और अपनी चिंता, आक्रोश, व्यथा और पीड़ा को उनकी चिंता, आक्रोश, व्यथा और पीड़ा में समाहित करना शुरू करें।

प्रायः हमारे साथ ऐसा होता है कि हम हमारे साथ होने वाले अन्याय और अवहेलना की चर्चा कर संतुष्ट हो जाते हैं। हम सामान्य दिनों में इन पर बहुत चर्चा करते हैं, सूचना तकनीक के विकसित होने के कारण उपलब्ध आसान साधनों और सूचनाओं पर हम देश भर की चचाएं कर लेते हैं। ऐसे में इस आभासी दुनियां में हमारे आक्रोश और चिंताओं को भरपूर व्यक्त करते हैं, यदा कदा धरातल पर आंदोलित भी हो जाते हैं लेकिन अवसर आने पर हमारी समाज सापेक्षता व्यक्ति सापेक्ष हो जाती है। हम या तो अपने व्यक्तिगत हित-अहित या अपनी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के व्यक्ति के सापेक्ष होकर अपने सामाजिक भाव को तिरोहित कर देते हैं या किसी राजनीतिक व्यापारी के पक्ष में होने को ही समाज सापेक्षता मान लेते हैं। ऐसे में हमारे आक्रोश और चिंताओं को पूरा करने के लिए हमारे दुश्मनों पर चोट करने का अवसर हमारे हाथों से निकल जाता है या किसी राजनीतिक दल के एकतरफा समर्थन या विरोध के भेंट चढ़ जाता है। ऐसा ही अवसर आगामी लोकसभा चुनाव हैं, हम विचार करें कि कहीं यह अवसर किसी राजनीतिक दल के अविवेकपूर्ण समर्थन या विरोध की भेंट तो नहीं चढ़ रहा है? कहीं यह अवसर किसी व्यक्ति के अविवेकपूर्ण समर्थन या विरोध की भेंट तो नहीं चढ़ रहा है? कहीं हमारा सामाजिक भाव किसी राजनीतिक व्यापारी के सापेक्ष होकर अपनी समाज सापेक्षता को त्याग तो नहीं रहा है? कहीं हमारा भावनात्मक ज्वार हमारे विरोधियों का हथियार बनकर आत्मघाती तो नहीं बन रहा है? यदि आज वोट डालने से पहले हम इन बातों पर गंभीरता से विचार कर कदम नहीं उठायेंगे तो फिर अगले पांच वर्ष तक आभासी दुनियां में गरियाते रहेंगे। एक दूसरे पर प्रश्न उठाते रहेंगे, बहस करते रहेंगे और उसी चिंता, आक्रोश, व्यथा और पीड़ा को जीते रहेंगे जिसे इस अवसर से पहले जीते आ रहे हैं। इसलिए आयें, हम राजनीति के व्यापार से समाज सापेक्ष राजनीति की ओर कदम बढ़ाएं और तुरंत परिणाम की अपेक्षा किए बिना दशकों से चल रही और निरंतर बढ़ रही उपेक्षा और अवहेलना को दूर करने के मार्ग पर कदम बढ़ायें।

तेजपाल सिंह सेलारपुरा बने एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. तेजपाल सिंह सेलारपुरा (चुंडावत) का गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के रसायन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर चयन हुआ है। मूलतः राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के सेलारपुरा गांव के निवासी तेजपाल सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। वे श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविरों में भी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं एवं दिल्ली NCR क्षेत्र में अच्छे सहयोगी हैं।

प्रेम सिंह बाजोर बने सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष

नीमकाथाना के पूर्व विधायक प्रेम सिंह बाजोर को राजस्थान सरकार द्वारा राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। लोकसभा चुनावों की घोषणा होने और आचार संहिता लगने से पूर्व 16 मार्च को उनकी नियुक्ति की गई। बाजोर तीसरी बार इस समिति के अध्यक्ष का दायित्व संभालेंगे।

अशोक सिंह गणेश्वर ने दौड़ में जीता स्वर्ण पदक

गणेश्वर निवासी अशोक सिंह ने चंडीगढ़ के पंचकूला में ताऊ देवीलाल स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित टफमैन दौड़ में भाग लेकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 24 घंटे की स्टेडियम रन में 230 किमी दौड़ लगाकर 34 किमी की लीड के साथ विजय प्राप्त की। अशोक सिंह इससे पूर्व 12 घंटे में 137 किलोमीटर दौड़कर नेशनल रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुके हैं। सितंबर 2024 में ग्रीस में आयोजित होने वाली 246 किलोमीटर दौड़ के लिए भी भारतीय दल में उनका चयन हुआ है।

मधी क्षेत्र राजपूत सभा ने मनाया 20वां स्थापना दिवस

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में सेक्टर 1 वसुंधरा स्थित एक शिक्षण संस्थान में मधी क्षेत्र राजपूत सभा गाजियाबाद द्वारा अपना 20वां स्थापना दिवस 28 मार्च को मनाया गया। इस अवसर पर समाज की कई प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया। संस्था के अध्यक्ष राम औतार सिंह ने संस्था के उद्देश्य और कार्यप्रणाली के बारे में बताया और कहा कि यह संस्था बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा तथा उधम सिंह नगर के मूल निवासियों से मिलकर बनी है जिसे मधी क्षेत्र कहा जाता है।

संस्था से जुड़े लोग दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में निवास करते हैं और अपना कारोबार करते हुए समाज हित में कार्य करते हैं। समारोह की अध्यक्षता डॉक्टर वीएस चौहान ने की। अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी अलका तोमर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि क्षत्रिय समाज की लड़कियां खेलकूद अथवा अन्य सामाजिक और राजनीतिक सरोकार के कार्यक्रमों में भाग लेने में अपेक्षित रुचि नहीं दिखातीं। इस स्थिति को बदलने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने अपने पैतृक गांव सिसौली में उनके द्वारा स्थापित की गई खेल अकादमी के बारे में भी जानकारी दी। चंद्रयान टीम में शामिल रहे मयंक राणा ने अपने अनुभव बताए तथा ऊंचा लक्ष्य तय करके दृढ़ता से उस ओर बढ़ते रहने की बात कही। वरिष्ठ आईएएस भागीरथ सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं को सशक्त बनाकर देश की सेवा करें। विकास चौहान ने कहा कि कुछ इतिहासकारों ने जान बूझकर क्षत्रिय इतिहास को बिगाड़ने का प्रयास किया है। हमें अपने सही इतिहास को जानकर उससे प्रेरणा लेनी होगी। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक नृत्य और काव्य पाठ का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन पूनम सिंह चौहान ने किया। संस्थान के महासचिव नरपाल सिंह ने उपस्थित लोगों का परिचय दिया और संस्था के कार्यक्षेत्र के बारे में बताया।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि	06.04.2024 से 09.04.2024 से	**बान्दा, उत्तरप्रदेश।** रानी लक्ष्मीबाई, इन्टर कॉलेज, जमालपुर रोड, बान्दा (यूपी) सम्पर्क सूत्र : डॉ. देवीसिंह चौहान 95981-97224 नरेन्द्रसिंह परिहार 87568-66011
02.	प्रा.प्र.शि	12.04.2024 से 14.04.2024 से	**घाटमपुर, उत्तरप्रदेश।** सनराईज पब्लिक स्कूल, टीकमापुर, घाटमपुर (यूपी) सम्पर्क सूत्र : यशवीरसिंह 79054-71986 मनमोहनसिंह 98890-31221
03.	प्रा.प्र.शि (बालिका)	07.04.2024 से 10.04.2024 तक	**गंगापुर (भीलवाड़ा)।** श्रीमद् कालूगणी समाधी स्थल, आमली रोड़, गंगापुर, जिला भीलवाड़ा **संपर्क सूत्र-** 8302613869, 9079384780, 8209909233
04.	उ.प्र.शि	18.05.2024 से 29.05.2024 से	**राधेजा, जिला- गांधीनगर।** गांधीनगर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, राधेजा, जिला-गांधीनगर। शिविर स्थल गांधीनगर से 12 किमी, साबरमती रेलवे स्टेशन से 33 किमी व कालुपुर रेलवे स्टेशन से 37 किमी दूर स्थित है।
05.	मा.प्र.शि (बालिका)	23.05.2024 से 29.05.2024 से	**काणेटी जिला - अहमदाबाद** प्राथमिक शाला काणेटी, तहसील - साणंद, जिला - अहमदाबाद। शिविर स्थल साबरमती रेल्वे स्टेशन से 30 किमी व असारवा रेल्वे स्टेशन से 30 किमी दूर स्थित है।

नोटः- उ. प्र. शि. बालक हेतु योग्यताएं: शिविरार्थी दो प्रा. प्र. शि. एवं एक मा. प्र. शि. किया हुआ हो तथा 10 वीं की परीक्षा दे चुका हो। 50 वर्ष से अधिक आयु वालों को शिक्षण के सहयोगी के रूप में आवश्यक होने पर बुलाये जाने पर ही आना है। निर्देशिका के अनुरूप गणवेश व अन्य सामग्री अनिवार्य है। धोती कुर्ता व केसरिया साफा भी लाना है। बीच में आने वाले केवल 23 मई को ही आ सकते हैं।

मा. प्र. शि.बालिका हेतु योग्यताएं : तीन शिविर किए हुए हों एवं 10 वीं की परीक्षा दी हुई हो। आयु 16 से 30 वर्ष के बीच हो। 30 वर्ष से अधिक आयु वालों को शिक्षण की आवश्यकता के अनुसार बुलाये जाने पर ही आना है। केशरिया गणवेश एवं निर्देशिका में वर्णित अन्य सामग्री लाना आवश्यक है।

(भूल सुधार: विगत अंक में बालिका मा.प्र.शि. की योग्यता में 2 शिविर प्रकाशित हुआ। उसकी जगह तीन शिविर पढ़ा जावे।)

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की बिलाड़ा व भोपालगढ़ क्षेत्र की कार्य विस्तार बैठक संपन्न

24 मार्च को पीपाड़ शहर स्थित श्री उदय राजपूत छात्रावास परिसर में श्री क्षत्रिय युवक संघ के आनुषंगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की बिलाड़ा व भोपालगढ़ क्षेत्र की कार्य विस्तार बैठक आयोजित हुई। फाउंडेशन के चैन सिंह साथीन ने 2018 से लेकर 2024 तक क्षेत्र में फाउंडेशन के बैनर तले हुए कार्यों व क्रिया कलापों की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में बताया गया कि पिछले 5 वर्षों में समाज के समस्त ज्वलंत मुद्दों को फाउंडेशन द्वारा संवैधानिक रूप से सरकार व प्रशासन के सामने रखने का प्रयास किया गया। केंद्रीय सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण में विद्यमान विसंगतियों को दूर करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा हुई। बैठक में फाउंडेशन द्वारा आगे किए जाने वाले कार्यों की योजना बनाकर सहयोगियों द्वारा दायित्व भी लिए गए। नारायणसिंह पालड़ी सिद्धा, नरेंद्रसिंह रणसी गांव, तेजसिंह सोवनिया, महेंद्र सिंह नांद, अर्जुन सिंह गुर्जर, शक्तिसिंह ओस्तरा, अर्जुनसिंह बुरछा, दलपतसिंह, सवाईसिंह बागोरिया सहित बिलाड़ा व भोपालगढ़ विधानसभा के अनेकों युवाओं ने बैठक में भाग लिया।

उज्ज्वल सिंह की अखिल भारतीय स्तर पर 37वीं रैंक

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस बेंगलुरु द्वारा आयोजित की गई गेट 2024 परीक्षा में उज्जवल सिंह बाकावत ने सिविल इंजीनियरिंग में अखिल भारतीय स्तर पर 37वीं रैंक प्राप्त की है। उनका स्कोर 901 रहा। उज्ज्वल वर्तमान में एमएनआईटी जयपुर में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत है।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

विभिन्न स्थानों पर हुआ होली मिलन कार्यक्रमों का आयोजन

अपने अंतर की बुराइयों के प्रतीक के रूप में होलिका को जलाकर जीवन में प्रेम और उत्साह के रंग भरने के पर्व होली पर अनेक स्थानों पर स्वयंसेवकों और समाजबंधुओं द्वारा होली मिलन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 24 मार्च को संरक्षक श्री के सान्निध्य में बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में बाड़मेर संभाग का होली स्नेहमिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें संभाग के चारों प्रांतो के स्वयंसेवक उपस्थित हुए। संरक्षक श्री ने शाखा को श्री क्षत्रिय युवक संघ का मूल बताते हुए प्रत्येक स्वयंसेवक को अनिवार्य रूप से शाखा में जाने की बात कही। उन्होंने बताया कि होली के इस पावन पर्व पर हम सभी को स्वयं का आकलन करना है एवं अपनी बुराइयों, गलतियों एवं अवांछित आदतों की होली जलानी है। संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली ने प्रांतों के विस्तार, संघ शक्ति एवं पथप्रेरक के ग्राहकों की संख्या बढ़ाने, उच्च प्रशिक्षण शिविर में चलने वालों की सूचियाँ बनाने, नई शाखाएं शुरू करने आदि बिंदुओं पर सभी से चर्चा की। बैठक के पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा आश्रम में श्रमदान किया गया। इसके पश्चात स्नेहभोज का आयोजन किया गया। शाम को संरक्षक श्री के सान्निध्य में विधि विधान पूर्वक होलिका दहन किया गया जिसमें बाड़मेर शहर में रहने वाले स्वयंसेवक सपरिवार शामिल हुए। गुजरात के काणेटी गांव में आयोजित प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान शिविरार्थियों द्वारा माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सान्निध्य में 25 मार्च को होली मनाई गई। संघप्रमुख श्री ने शिविरार्थियों से चर्चा करते हुए कहा कि होली हमारे मन के मैल को साफ करने का एक अवसर है। यह मैल श्रेष्ठ व्यक्तियों के सान्निध्य और मार्गदर्शन से ही साफ हो सकता है। लेकिन ऐसा सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलने पर भी उसका उसका लाभ उठाने के लिए समर्पण और अनुशासन आवश्यक है। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें इस समर्पण और अनुशासन का अभ्यास अपने शिविरों में करवाता है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी शक्ति व्यर्थ नहीं खोनी है चाहे वह हमारी बुद्धि की शक्ति हो, भाव की शक्ति हो या शरीर की शक्ति हो। हमें अपनी सम्पूर्ण शक्ति का संचय करके उसे अपने ध्येय के निमित्त प्रयुक्त करना है। ऐसा करने पर हमारे भीतर स्वतः ही नवीन शक्ति का प्रदुर्भाव होगा। सूरत प्रांत के सारोली मण्डल स्थित वीर अभिमन्यु उद्यान में 25 मार्च को होली स्नेहमिलन आयोजित किया गया। चैन सिंह सिराणा द्वारा होली त्यौहार के पौराणिक महत्त्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सूरत की सभी शाखाओं के स्वयंसेवकों सहित सैकड़ों समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भवानी सिंह माड़पुरिया ने किया। मुंबई प्रांत की तनेराज शाखा दक्षिण मुंबई, नारायण शाखा भायंदर, वीर दुगार्दास शाखा मलाड़, वीर प्रताप शाखा खारघर, पृथ्वीराज शाखा तुर्भे, विरमदेव शाखा भिवंडी, जयमल फत्ता शाखा बोरीवली में भी होली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुणे में भी स्वयंसेवकों द्वारा सामूहिक शाखा का आयोजन करके होली मनाई गई। गुजरात में ध्रोल स्थित आशापुरा सोसाइटी में होलिका दहन कार्यक्रम हुआ जिसमें ध्रोल में चल रहे प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के शिविरार्थी सम्मिलित हुए। चंद्रसिंह रोजिया ने वहां उपस्थित समाज बंधुओं को होली व होलिका दहन के महत्त्व के बारे में बताया। गुड़ामालानी प्रान्त में बूठ गांव में भी होली स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूज्य तनसिंह जी की पुस्तक बदलते दृश्य के प्रकरण लग्न की परीक्षा का पठन किया गया। प्रान्त प्रमुख गणपत सिंह बूठ ने होली त्यौहार की परम्परा और वर्तमान में होली त्यौहार के महत्व पर प्रकाश डाला कहा कि हमारे अंदर बैठी बुराई रूपी आसुरी वृत्ति वाली होलिका को जलाकर सत्य स्वरूप प्रहलाद जैसी सच्ची लग्न के साथ अभ्यास द्वारा सद्गुणों का अर्जन करना होगा। इनके अतिरिक्त भी अनेक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए।

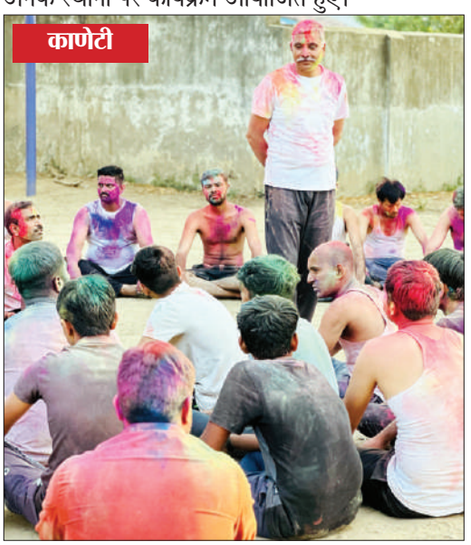

मातृशक्ति ने मनाया फागोत्सव और होली स्नेहमिलन

19 मार्च को मातृशक्ति द्वारा संघ शक्ति भवन में फागोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जयपुर में रहने वाली महिलाएं शामिल हुई और खेल, गीत, सांस्कृतिक नृत्य आदि के साथ उत्सव मनाया। सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। महिलाओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ की शाखा और शिविर आदि की जानकारी भी दी गई और सभी से जयपुर में लगने वाली मातृशक्ति शाखा में आने का निवेदन भी किया गया। कार्यक्रम में डा. मृगनयनी राठौड़ ने महिलाओं संबंधी बीमारियों के बचाव संबंधी जानकारियां दी एवं इस बाबत उपस्थित महिलाओं की शंकाओं का समाधान किया। **महाराष्ट्र संभाग** के सूरत प्रांत में मातृशक्ति द्वारा पद्मिनी शाखा में होली स्नेहमिलन का आयोजन 22 मार्च को किया गया। कार्यक्रम में होली पर्व का ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व सभी को समझाया गया, सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी और शाखा में आने के लिए नई बालिकाओं को प्रेरित करने पर चर्चा की गई। 16 मार्च को दुर्गा महिला शाखा भायंदर, मुंबई द्वारा भी होली मिलन का कार्यक्रम रखा गया जिसमें सौ से अधिक महिलाएं और बालिकाएं उपस्थित रहीं।

बीकानेर और पोकरण में कार्ययोजना बैठकें संपन्न

बीकानेर स्थित संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में 16 मार्च को संभाग के प्रान्त प्रमुखों की बैठक आयोजित हुई जिसमें आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर एवं बालिका माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों पर चर्चा की गई और प्रत्येक प्रांत में ओटीसी में शामिल होने की योग्यता रखने वाले युवाओं से संपर्क कर उन्हें प्रेरित करने की योजना बनाई गई। अप्रैल में संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में रायसर में आयोजित होने वाले शिविर के संबंध में भी चर्चा की गई। पोकरण प्रांत की प्रांतीय बैठक भी 17 मार्च को आयोजित की गई जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई और प्रांत में किए जाने वाले संघकार्य हेतु योजना बनाई गई।

(पृष्ठ एक का शेष)

हमारे देवत्व...

जीवन दर्शन का अर्थ है कि जो कुछ सिखाया जा रहा है वह हमारे जीवन से झलके। जो कुछ हम दूसरों को कहना चाहते हैं वह कहने की जरूरत नहीं पड़े बल्कि हमारे जीवन व्यवहार से ही वह संदेश प्रकट हो, यही जीवन दर्शन का अर्थ है। इसी जीवन दर्शन को जीने का और समाज के जीवन में उतारने का कार्य संघ कर रहा है। लेकिन यह जीवन दर्शन केवल बताने से किसी के जीवन में नहीं आ सकता बल्कि इसके लिए अभ्यास करना पड़ता है और नियमित व निरंतर अभ्यास कठिन होता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ पिछले 78 वर्षों से यह कठिन कार्य कर रहा है। इस दौरान अनेक बाधाएं भी आईं, विरोध भी हुआ, अभी भी हो रहा है लेकिन श्री क्षत्रिय युवक संघ अपने मार्ग पर निरंतर चलता जा रहा है, इसका कारण आप सबका सहयोग ही है। संघप्रमुख श्री ने आगे बताया कि श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें अपने वास्तविक स्वरूप की पहचान कराना चाहता है। हम किस कुल में जन्मे हैं, उस कुल की मयार्दाएं क्या हैं, इसका हमें भान करवा रहा है। यदि हमें यह ध्यान रहे कि हम कौन हैं तो हम गलत काम नहीं कर सकते। लेकिन जब हम अपनी पहचान को खो देते हैं तभी हम गलत मार्ग पर बढ़ने लगते हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ का अभ्यास हमें यही पहचान कराने के लिए है कि हम क्षत्रिय हैं। क्षत्रिय के गुण क्या हैं और इन गुणों को हम किस प्रकार से अर्जित कर सकते हैं, यह सिखाने के लिए एक कृत्रिम विद्यालय के रूप में श्री क्षत्रिय युवक संघ का निर्माण पूज्य तन सिंह जी के द्वारा किया गया। लेकिन हमारे लिए इसकी सार्थकता तभी है कि इस विद्यालय में हम आएं। यदि कोई व्यक्ति विद्यालय में आएगा ही नहीं तो उसे कैसे सिखाया जा सकता है। इसलिए संघ को धन आदि की आवश्यकता नहीं बल्कि संघ का सच्चा सहयोग यही है कि आप अपनी संतान को इस पाठशाला में भेजें। काणेटी गांव की प्राथमिक शाला में आयोजित इस तीन दिवसीय शिविर का आयोजन मध्य गुजरात संभाग व उत्तर गुजरात संभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। शिविर में एक दिन के लिए क्षेत्र में संघ कार्य में सहयोगी रहने वाले समाजबंधुओं को भी आमंत्रित किया गया। समापन समारोह में अनेक गणमान्य समाजबंधु भी उपस्थित रहे। अरवल्ली क्षेत्र से डॉ. नागेंद्र सिंह और चरोतर क्षेत्र से विजय सिंह खेड़ा ने अपने क्षेत्र में किए जा रहे समाज कार्यों की जानकारी दी। श्री राजपूत विकास संघ - साणंद के प्रमुख अनिलसिंह गोधावी, श्री चौहान चोविसी समाज की ओर से गजेन्द्र सिंह कोठ, जितेंद्रसिंह काणेटी, पंकजसिंह गोधावी, भानुविजय सिंह खोड़ा ने भी अपने विचार रखे। संघप्रमुख श्री ने सभी के सहयोग के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए सहयोगियों द्वारा रखी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। माननीय संघप्रमुख श्री के संचालन में संपन्न इस शिविर में 60 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

लोकसभा...

इनके अतिरिक्त बाड़मेर जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र से रविंद्र सिंह भाटी ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की है। दोनों ही मुख्य दलों द्वारा समाज के संख्याबल और समर्थन की तुलना में टिकट वितरण में उपेक्षा की गई है। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें दल और व्यक्ति सापेक्ष राजनीति को छोड़कर समाज सापेक्ष राजनीति को अपनाने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें इन चुनावों में अपने समाज के उम्मीदवारों को अधिक से अधिक संख्या में संसद में पहुंचाने के लिए मतदान करना है। ऐसा करके ही हम आगे के लिए अधिक प्रतिनिधित्व के दावे को मजबूत कर सकेंगे।

ध्रोल (गुजरात) में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

गुजरात में गोहिलवाड़ सौराष्ट्र संभाग के हालार प्रांत में ध्रोल स्थित दीपसिंह जी ध्रोल भायात राजपूत छात्रावास में 23 से 26 मार्च तक श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ जिसमें 68 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन भगीरथ सिंह सांडखाखरा ने किया। उन्होंने प्रथम दिन शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के इस युग मे संघ ही समाज की आशा की किरण है। चारों तरफ चल रही अधिकारों की होड़ के बीच संघ हमें कर्त्तव्य के पालन का पाठ पढ़ा रहा है।

आज से 78 वर्ष पहले पूज्य श्री तनसिंहजी ने समाज की पीड़ा से पीड़ित होकर संघ की स्थापना की जो अनवरत समाज में क्षत्रियोचित संस्करों के निर्माण का कार्य कर रहा है। शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों द्वारा सामूहिक रूप से होली मनाई गई। उसी दिन शाम को राजपूत समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों व समाज बंधुओं का स्नेहमिलन भी आयोजित किया गया जिसमें सहदेवसिंह मूली, शक्ति सिंह कोटड़ा, चंद्रसिंह रोजिया, युवराज सिंह पेढ़ा, डॉ आरटी जाडेजा , पथुभा जाडेजा खाखरा ने अपने विचार रखे। 26 मार्च को विदाई कार्यक्रम में शिविर संचालक ने कहा कि इन तीन दिनों में आप ने शिविर के विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा जो कुछ सीखा है उसे अपने जीवन में उतारें। इन तीन दिनों के अभ्यास से आप के व्यवहार में जो फर्क दिखने लगा है, उसे स्थाई बनाने का प्रयास करें। यहाँ से जाने के बाद आप अपने गांवो में शाखा लगाएं और संघ के विचार दर्शन को प्रसारित करें। शिविर में अवानिया, शिशांग, चनोल, वीसामन, गढ्डा, ध्रोल, देपला, झलोड़ा, केसवना, कोटड़ा, मेघपर, खेंगारका, लाखानी, जाबीडा, रोजिया, भाल, मोरचंद, मूली, थलसर, नारी आदि गांवों के स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मध्य गुजरात संभाग की कार्ययोजना बैठक संपन्न

मध्य गुजरात संभाग की कार्ययोजना बैठक 17 मार्च को गांधीनगर के सेंट्रल विस्टा गार्डन में आयोजित हुई। बैठक में संभाग में आयोजित होने जा रहे युवाओं के ग्रीष्मकालीन उच्च प्रशिक्षण शिविर और बालिकाओं के सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई, साथ ही पूरे वर्ष के दौरान संभाग में होने वाले संघ कार्य की योजना तैयार की गई। संभाग प्रमुख अणदु भा काणेटी सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

जौहर भवन में हुआ विशेष शाखा का आयोजन

24 मार्च को श्री क्षत्रिय युवक संघ की विशेष शाखा जौहर स्मृति संस्थान भवन गांधीनगर, चित्तौड़गढ़ में आयोजित हुई। सामूहिक हवन से कार्यक्रम के प्रारंभ के बाद वरिष्ठ स्वयंसेवक गंगा सिंह साजियाली ने उपस्थित समाजबंधुओं को संघ की कार्यप्रणाली व उद्देश्य की जानकारी दी, साथ ही होली त्यौहार के महत्त्व को भी बताया। शाखा के पश्चात सभी स्वयंसेवकों ने जौहर मेले के निमंत्रण पत्रों के डाक डिस्पैच की तैयारी हेतु सहयोग किया।

नारणावास में हुई सिन्धल राजपूत समाज की बैठक

जालौर जिले के नारणावास में ऐसराणा पर्वत पर स्थित जागनाथ महादेव मठ में 17 मार्च को सिन्धल राजपूत समाज की बैठक आयोजित हुई जिसमें छोटी सिन्धलावटी के नौ गांव नारणावास, धवला, धानपुर, बागरा, महेशपुरा, देवदा, भागली-सिन्धलान, डूडसी व सिवणा से समाजबंधु शामिल हुए। जागनाथ महादेव मठ के महंत महेंद्र भारती व विष्णु भारती के सान्निध्य में आयोजित बैठक की अध्यक्षता रूप सिंह नारणावास ने की। बैठक में अनेक सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई और विभिन्न प्रस्ताव पारित कर समाज में फैली कुरीतियों को मिटाने का निर्णय लिया गया। इनमें सामाजिक आयोजनों (विवाह, मृत्यु, ढूंढोत्सव आदि) में डोडा, अफीम आदि नशीले पदार्थों पर पूर्णयता प्रतिबन्ध, शादी समारोह में डीजे के साथ बन्दोली, मेहंदी एवं हल्दी रस्म पर प्रतिबंध, कन्या के विवाह में मांसाहार और शराब पर प्रतिबन्ध आदि निर्णय प्रमुख हैं।

टापरवाड़ा में मारवाड़ अमृत महोत्सव का आयोजन

नागौर के टापरवाड़ा गांव में चारभुजा सेवा संस्थान के तत्वावधान में 27 मार्च को मारवाड़ अमृत महोत्सव का आयोजन हुआ। जोधपुर के पूर्व नरेश गजसिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजा व प्रजा के बीच विश्वास और स्नेह का संबंध होना चाहिए। मारवाड़ के लोगों और राजपरिवार का हमेशा से ऐसा ही संबंध रहा है। मारवाड़ के लोगों का भाईचारा और अपनापन सभी को एकता का संदेश देता है और इस अपनत्व की जड़ें हमारे साझे संघर्ष के इतिहास में हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान लोकतंत्र में कलम का महत्त्व है, इसलिए हमें शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। पूर्व विधायक मान सिंह किनसरिया ने कहा कि मारवाड़ के राजाओं ने यहां की जनता के सेवक के रूप में प्रदेश की संस्कृति की रक्षा की है। इसलिए यहां की जनता आज भी राजपरिवार के प्रति निष्ठा रखती है। भवानी सिंह कालवी ने कहा कि मारवाड़ क्षेत्र अपनी अपणायत और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। इसे सहेजना हम सभी का दायित्व है। समताराम महाराज, नसीरुद्दीन, सुखविंदर सिंह, शंकरपुरी महाराज आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में विक्रम सिंह टापरवाडा, प्रधान जसवंत सिंह थाटा, पार्षद हेमंत जोधा, श्रीपाल सिंह शक्तावत सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वीर चक्र विजेता शहीद मेंगेज सिंह हरनावां की पत्नी संतोष कंवर और शहीद पांचूराम माली की पत्नी सरोज देवी का सम्मान भी किया गया। मंच संचालन संघमित्रा राठौड़ ने किया।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्वयंसेविका

डॉ. आकांक्षा देवड़ा

पुत्री श्री नाहर सिंह जाखड़ी (जालोर)
का आरपीएससी द्वारा आयोजित
सहायक कृषि अनुसंधान अधिकारी (पौध व्याधि),
कृषि विभाग, राजस्थान सरकार
के पद पर चयन होने पर
हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छु:

अर्जुन सिंह देलदरी	वीर बहादुर सिंह असाडा	नेहपाल सिंह दुधवा	संग्राम सिंह देलदरी	डुंगर सिंह पुनासा
गणपत सिंह पुर	महेंद्र सिंह कारोला	महोब्बत सिंह धींगाणा	मदन सिंह थुम्बा	ईश्वर सिंह सांगाणा
बहादुर सिंह सारंगवास	देवी सिंह तैतरोल	प्रवीण सिंह दुदवा	पृथ्वीराज सिंह पांचला	गजेंद्रसिंह जाविया
दीप सिंह दूदवा	ईश्वर सिंह देसू	अरविंदिग्विजय सिंह देसू	प्रवीणसिंह सुरावा	सरूप सिंह केरिया
खुमान सिंह दूदिया	सुमेर सिंह उथमण	कमल सिंह केसुआ	गणपत सिंह भंवरानी	समस्त जालोर संभाग

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org